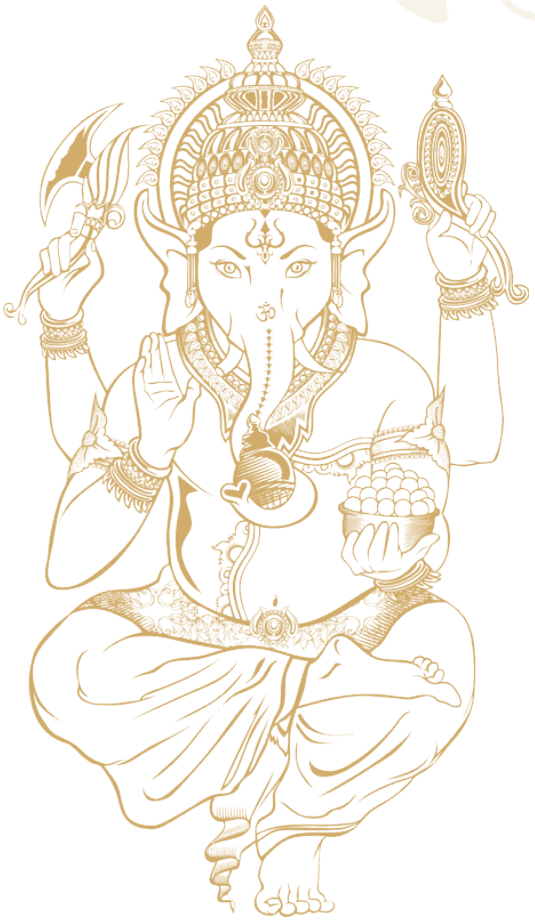

????? ?????

09 Feb 1959

12:51 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121534808

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
8-09/02/1959	जन्म तिथि	**8-09/02/2026**
रवि-सोमवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 00:51:00	जन्म समय	05:23:53 घंटे
घटी 44:22:58	जन्म समय(घटी)	55:46:34 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:05:48	सूर्योदय	07:05:15
18:05:06	सूर्यास्त	18:05:43
23:17:16	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:25

तुला	लग्न	धनु
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कुम्भ	राशि	तुला
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
शतभिषा	नक्षत्र	विशाखा
राहु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	1
परिघ	योग	वृद्धि
बालव	करण	बालव
गो-गोपाल	जन्म नामाक्षर	ती-तीप्ति
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
अश्व	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	सर्प
67	गत/तत्कालिक वर्ष	68

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
विशाखा	2	25:00:19	तुला			लग्न			धनु	26:13:07	4	पूर्वाषाढ़ा
धनिष्ठा	1	26:00:19	मक			सूर्य			मक	26:00:19	1	धनिष्ठा
शतभिषा	1	08:04:15	कुंभ			चंद्र			तुला	20:10:35	1	विशाखा
कृतिका	3	05:57:14	वृष			मंगल		अ	मक	18:46:23	3	श्रवण
श्रवण	4	21:57:45	मक		अ	बुध			कुंभ	09:20:20	1	शतभिषा
अनुराधा	1	06:31:20	वृश्चि			गुरु	व		मिथु	22:18:59	1	पुनर्वसु
शतभिषा	4	17:18:08	कुंभ			शुक्र			कुंभ	03:58:48	4	धनिष्ठा
मूल	4	10:21:52	धनु			शनि			मीन	05:14:05	1	उ०भाद्रपद
हस्त	4	21:05:41	कन्या	व		राहु			कुंभ	14:54:34	3	शतभिषा
रेवती	2	21:05:41	मीन	व		केतु			सिंह	14:54:34	1	पू०फाल्गुनी
आश्लेषा	2	20:48:45	कर्क	व		मु			वृष	25:00:19	1	मृगशिरा

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

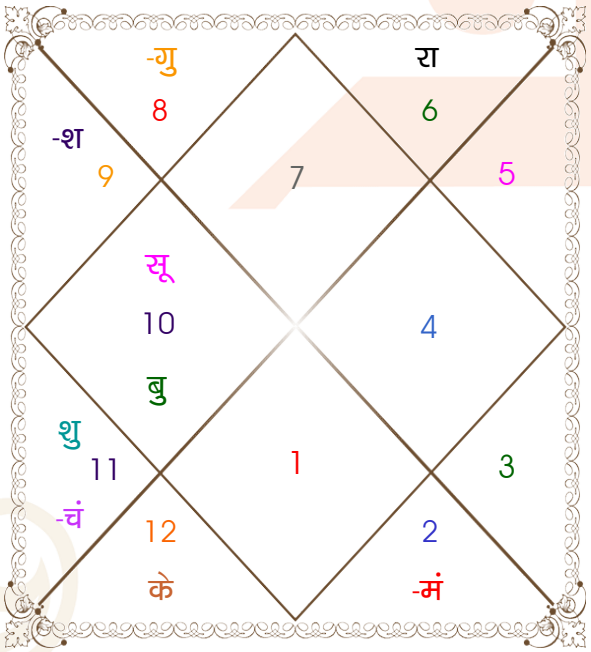

वर्ष लग्न कुंडली

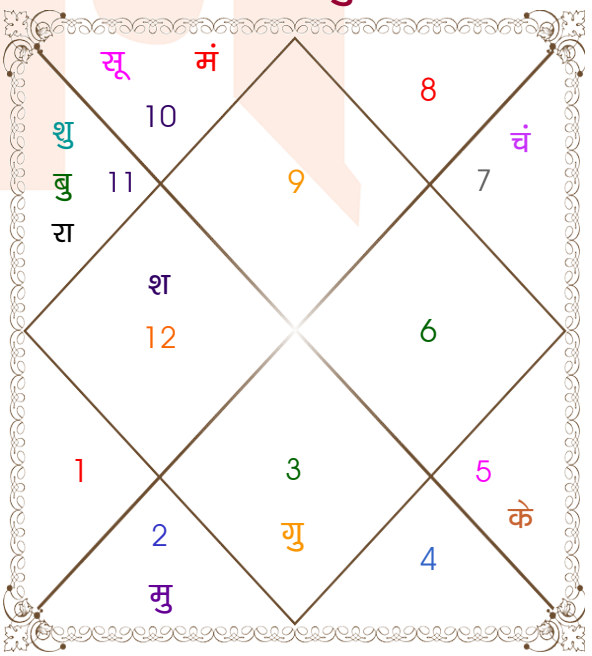

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - शनि - चंद्र	
25/01/2026 07:45	
17/04/2026 06:01	
चंद्र	01/02/2026 03:36
मंगल	05/02/2026 22:18
राहु	18/02/2026 05:15
गुरु	01/03/2026 03:25
शनि	14/03/2026 02:44
बुध	25/03/2026 17:18
केतु	30/03/2026 12:00
शुक्र	13/04/2026 03:42
सूर्य	17/04/2026 06:01

बुध - शनि - मंगल	
17/04/2026 06:01	
13/06/2026 14:24	
मंगल	20/04/2026 14:18
राहु	29/04/2026 04:46
गुरु	06/05/2026 20:17
शनि	15/05/2026 22:12
बुध	24/05/2026 01:12
केतु	27/05/2026 09:29
शुक्र	05/06/2026 22:53
सूर्य	08/06/2026 19:42
चंद्र	13/06/2026 14:24

बुध - शनि - राहु	
13/06/2026 14:24	
08/11/2026 01:40	
राहु	05/07/2026 17:17
गुरु	25/07/2026 09:12
शनि	17/08/2026 17:35
बुध	07/09/2026 14:58
केतु	16/09/2026 05:26
शुक्र	10/10/2026 19:19
सूर्य	18/10/2026 04:16
चंद्र	30/10/2026 11:13
मंगल	08/11/2026 01:40

बुध - शनि - गुरु	
08/11/2026 01:40	
19/03/2027 03:42	
गुरु	25/11/2026 13:08
शनि	16/12/2026 07:16
बुध	03/01/2027 20:57
केतु	11/01/2027 12:28
शुक्र	02/02/2027 08:48
सूर्य	08/02/2027 22:06
चंद्र	19/02/2027 20:16
मंगल	27/02/2027 11:47
राहु	19/03/2027 03:42

केतु - केतु - केतु	
19/03/2027 03:42	
27/03/2027 20:30	
केतु	19/03/2027 15:52
शुक्र	21/03/2027 02:40
सूर्य	21/03/2027 13:07
चंद्र	22/03/2027 06:31
मंगल	22/03/2027 18:42
राहु	24/03/2027 02:01
गुरु	25/03/2027 05:51
शनि	26/03/2027 14:55
बुध	27/03/2027 20:30

केतु - केतु - शुक्र	
27/03/2027 20:30	
21/04/2027 17:04	
शुक्र	31/03/2027 23:55
सूर्य	02/04/2027 05:45
चंद्र	04/04/2027 07:28
मंगल	05/04/2027 18:16
राहु	09/04/2027 11:45
गुरु	12/04/2027 19:18
शनि	16/04/2027 17:45
बुध	20/04/2027 06:16
केतु	21/04/2027 17:04

केतु - केतु - सूर्य	
21/04/2027 17:04	
29/04/2027 04:02	
सूर्य	22/04/2027 02:01
चंद्र	22/04/2027 16:56
मंगल	23/04/2027 03:22
राहु	24/04/2027 06:13
गुरु	25/04/2027 06:05
शनि	26/04/2027 10:25
बुध	27/04/2027 11:46
केतु	27/04/2027 22:13
शुक्र	29/04/2027 04:02

केतु - केतु - चंद्र	
29/04/2027 04:02	
11/05/2027 14:20	
चंद्र	30/04/2027 04:54
मंगल	30/04/2027 22:18
राहु	02/05/2027 19:02
गुरु	04/05/2027 10:49
शनि	06/05/2027 10:02
बुध	08/05/2027 04:18
केतु	08/05/2027 21:42
शुक्र	10/05/2027 23:25
सूर्य	11/05/2027 14:20

केतु - केतु - मंगल	
11/05/2027 14:20	
20/05/2027 07:08	
मंगल	12/05/2027 02:30
राहु	13/05/2027 09:50
गुरु	14/05/2027 13:40
शनि	15/05/2027 22:44
बुध	17/05/2027 04:19
केतु	17/05/2027 16:29
शुक्र	19/05/2027 03:17
सूर्य	19/05/2027 13:44
चंद्र	20/05/2027 07:08

केतु - केतु - राहु	
20/05/2027 07:08	
11/06/2027 16:03	
राहु	23/05/2027 15:40
गुरु	26/05/2027 15:15
शनि	30/05/2027 04:16
बुध	02/06/2027 08:20
केतु	03/06/2027 15:39
शुक्र	07/06/2027 09:08
सूर्य	08/06/2027 11:59
चंद्र	10/06/2027 08:44
मंगल	11/06/2027 16:03

केतु - केतु - गुरु	
11/06/2027 16:03	
01/07/2027 13:18	
गुरु	14/06/2027 07:41
शनि	17/06/2027 11:15
बुध	20/06/2027 06:52
केतु	21/06/2027 10:42
शुक्र	24/06/2027 18:15
सूर्य	25/06/2027 18:06
चंद्र	27/06/2027 09:53
मंगल	28/06/2027 13:43
राहु	01/07/2027 13:18

केतु - केतु - शनि	
01/07/2027 13:18	
25/07/2027 04:03	
शनि	05/07/2027 07:02
बुध	08/07/2027 15:20
केतु	10/07/2027 00:23
शुक्र	13/07/2027 22:51
सूर्य	15/07/2027 03:11
चंद्र	17/07/2027 02:25
मंगल	18/07/2027 11:28
राहु	22/07/2027 00:29
गुरु	25/07/2027 04:03

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शरीर में कष्ट भी उत्पन्न होगा जिससे आपको परेशानी रहेगी। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में अशान्ति तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। ज्ञानार्जन के प्रति भी इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक आप नवीन शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। मिष्ठान्न इस समय आपको प्रियकर लगेंगे तथा यत्न पूर्वक इनका भक्षण करेंगे जिससे आपको प्रसन्नता की अनुभूति होगी। इस समय आपका सामाजिक प्रभाव मध्यम रहेगा तथा यथा कदा ही अन्य जन आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आपको समय समय पर परेशानी उत्पन्न होगी तथा उनसे आप चिन्तित रहेंगे। स्त्री पक्ष से भी आप सामान्य सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त सामाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश भी मध्यम ही रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक अल्प मात्रा में ही लाभ एवं उन्नति होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे परन्तु जीविका कार्य निरन्तर चलने वाला रहेगा। आर्थिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। यद्य पि इस समय आपको कष्ट प्राप्त होगा परन्तु उसे छिपाने में आप पूर्ण रूप से सफल रहेंगे। राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे सहयोग तथा लाभ भी अल्प ही रहेगा साथ ही परिश्रम पूर्वक खेल के क्षेत्र में आपको सफलता मिल सकती है। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।